

DPN 6750

अष्टवक्त्र प्रश्नसखा ASTA VAGGA PRASNA SAKHA

Title :

Run. No. 7475

Cat. No.

Micro. No.

Subject प्रश्न ज्योतिष
Astrology

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 28 x 9.2

Folios 15

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ

ॐ

[illegible]

॥ हंतीं गुरुं नृणां रागा मरा ॥

गार्ग्य मन्त्रः॥ ॐ धरा ध्याता गार्ग्यान्ता ॥ ॐ धूम धूमा

॥२३॥ अथ पदेत्यमहं सुखमाह केनोरगमः

॥ इत्येतत्तुल्यं ॥

॥ मूर्धन्यमूर्धन्यवर्ग

॥ २४ ॥ अथाथे ध्वजं दृष्ट्वा राजा सिन्धुस्य अग्रगण्यं ॥

१ ॥ अथ उवाच ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

ॐ ॥ धृजस्त्वादेवास्मिन्ते इत्यारं गेसिभिर्वा इत्युवा ॥

९० ॥ धृजस्मारेण मरंद्वा दूःखकेसाणि कंतवत

न ॥ ध्वजस्यारो तथ ध्वजं केसविना धराकरा ॥

॥ धूम धूमंततो दृष्ट्वा करिद्रु ४ वाणि कंस या न ॥

॥ धूमस्कारेण ॥

॥ धूमस्कारो धीतिः । स्याद्यं ऊरारोत्तुष्टिकं सद्यतः ॥

॥ धर्मसुन्दरयो हृदयं हृदयं हृदयं ॥

॥ धूमस्कारो गन्धरुदृष्टा ॥ यो धूमव प्रयाक्रो ॥
ये वेधं ॥

ॐ ॥ धूम्रकाश्या गजदंष्ट्रा ॥
ॐ ॥ शिखिपुत्रा ॥

८
८

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

२ ॥ सुरुषाया ॥ यतः सुरुषाया नृत्यं बह्याः सिका ३

15

सिद्धस्कारो धितेस्वारां श्रीकिर्ता गुमरात्तकं॥ ७ ॥ सिद्धस्कारो वृषवंदस्व गुरदेक तीर्ण रात्तकं॥ ८ ॥ सिद्धस्कारो
 इवरं दस्व गामरात्त स्वामिरेवक॥ ९ ॥ सिद्धस्कारो गर्जदस्व आरोग्याक मुखादिकं॥ १० ॥ सिद्धस्कारो धिते धां
 स्वारां कृत्तमाधरो गुणाग्निकं॥ ११ ॥ ॐ ॥ सिद्धस्कारो धर्कदस्व स्काराकिना धरादिकं॥ १२ ॥ सिद्धस्कारो धिते
 धूमं ॥ १३ ॥ सिद्धस्कारो धिते सिद्ध कार्क सिद्धित विषयति॥ १४ ॥ सिद्धस्कारो धिते स्वारां धरा
 रात्त विषयति॥ १५ ॥ सिद्धस्कारो वृषवंदस्व रोगिरोगाठ मूकेते॥ १६ ॥ सिद्धस्कारो इवरं दस्व करद कत्त
 सयना॥ १७ ॥ सिद्धस्कारो गर्जदस्व यूर्त तीर्थ समागत॥ १८ ॥ सिद्धस्कारो धिते धां कृ योपास्या वररात्त
 १९ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ सिद्धस्कारो धर्कदस्व राज यूजा मुखादिकं॥ २० ॥ सिद्धस्कारो धिते धूमं राज यूजा ग्निकं तवे

10

5

त॥ २१ ॥ सिद्धस्कारो धिते सिद्ध स्वताकाधरो धरादिकं॥ २२ ॥ सिद्धस्कारो सिद्ध ते स्वारां वरमीकाम मुदित॥
 २३ ॥ सिद्धस्कारो वृषवंदस्व किर्तिसुद्धि मुखादिकं॥ २४ ॥ सिद्धस्कारो इवरं दस्व मन्त्रात्ता ग्निकं सवेत॥
 २५ ॥ सिद्धस्कारो गर्जदस्व ओगजाति समागत॥ २६ ॥ सिद्धस्कारो धिते धां कृ स्कारामारे समागत॥ २७ ॥
 २८ ॥ सिद्धस्कारो धर्कदस्व रोगस्वका ग्निकं सवेत॥ २९ ॥ सिद्धस्कारो धिते धूमं तस्कारा जितरां सवेत॥
 ३० ॥ सिद्धस्कारो सिद्ध ते सिद्ध यूजा श्रीवीज या ग्निकं॥ ३१ ॥ सिद्धस्कारो धिते स्वारां संताय धरा द्यासरां॥ ३२ ॥
 ३३ ॥ सिद्धस्कारो वृषवंदस्व दुष्टवयोऽप विष्णुसेत॥ ३४ ॥ सिद्धस्कारो इवरं दस्व स्वका किति तंतय्या॥ ३५ ॥
 ३६ ॥ सिद्धस्कारो गर्जदस्व मुखादिकं सवेत॥ ३७ ॥ सिद्धस्कारो सिद्ध ते धां कृ करद याधि मेवका॥ ३८ ॥

जसं विष्णुशरभसमुया नराणुरा ल्वारामारिउ करदशरा जूगिनराणुरा संतायशर मिवाश्याक नराणुरा मेवरां तरादू अ
 सिह बाकेरां आमसिधुं कं काजं मसिधुं नारयको जूगिधुं ॥ ३ ॥ **गामिंदयार करग** कं काजया तसां निरा धरा न राऊ मारंगु
 रा वसु कजुगि क मसिधुं सुमु मणुरा उ सुव सो कयारा उरि तराजया तसां रा न कं यायारया तसां निरा नारय कोमि वर ॥
 स्यारा ७ **गामिंदयार करग** कं काजं मसिधुं कं मनिरा जूविमारा हरिउ दंशिरा हर जारया मउ वारामारिउ ल्वारगा २ लेहरा
 मारिउ करद लेहरा उ दु ४ वर राऊरां जूसां रोयारा कं आसं विष्णु उंशरा उ सले जूगि क उरा उ असमदू मेवया कार
 रा मसिधुं कं उरसां जूगि वर ॥ ८ ॥ **गामिंदयार करग** कं काजया तसां निरा धरा न राऊ मारंगु रा उरारा न
 मिरा न सुवदू रा सुंयतिरा कृतिरा न जूमिरा न निरा मदेति उरा या साओरया यीतिरि रा यमथेयमं सुवतार

नर मरां नारया काजं सिधुं थउ वसस मेवणुरा सुलं आनिरा ॥ ९ ॥ **गामिंदयार करग** कं काजं मसिधुं ल्वारामारिउ कर
 देहरा वं चरा हर देति मया सादू रा मरा थिर मदू मरा संकसुदू ४ वर रा रोगया धिरां कर उ जिव संसरा हर उ जूगि
 गरु कसमु उरा उ द्राया जारया मउ ल्वारामारिउ समसं मनिरा ॥ १० ॥ **गामिंदयार करग** कं काजं निरा रहरा न
 सरा न राऊरा निरायारिउ विद्या चरा न सुवरारि न मरास नारया थंशरा उ जूगि क दु सुमिस उरा उ मरास दू वमरा
 थंशरा उ मरां नारया कार्य सिधुं रा उ जसरा न उरा उ समसं निरा सिधुं रा ॥ ११ ॥ **गामिंदयार करग** या कार्य हरसां सुसं
 तायशरा उ जूथि हांशिरा ल्वाराज कमु मारिउ अरे कोरे गति मदू निरा उ कोरगा मउ वारामारिउ मरासं जूतिदू ४ वर मरा उ
 मेवरां मवू यागादू पुरणु सउरासां समु नरादू जूरा गरा गरां क रा उ नरादू जिव संसरा तों हरं राऊ नरादू कं यां यात



स्वसिन्नीरिवोपन्नीओमातादिशक



स्वस्ति श्री सर्वोपमाज्ञोग्पात्तादि सकल गुणगारिष राजमायातसामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमाज्ञोग्पात्तादि सकल गुणगारिष राजमायातसामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमाज्ञोग्पात्तादि सकल गुणगारिष राजमायातसामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमाज्ञोग्पात्तादि सकल गुणगारिष राजमायातसामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमाज्ञोग्पात्तादि सकल गुणगारिष राजमायातसामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमाज्ञोग्पात्तादि सकल गुणगारिष राजमायातसामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमाज्ञोग्पात्तादि सकल गुणगारिष राजमायातसामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमाज्ञोग्पात्तादि सकल गुणगारिष राजमायातसामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमाज्ञोग्पात्तादि सकल गुणगारिष राजमायातसामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमा जोगपातादि सकल गुण गारिष सामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमा जोगपातादि सकल गुण गारिष सामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमा जोगपातादि सकल गुण गारिष सामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमा जोगपातादि सकल गुण गारिष सामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमा जोगपातादि सकल गुण गारिष सामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमा जोगपातादि सकल गुण गारिष सामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमा जोगपातादि सकल गुण गारिष सामर्थ

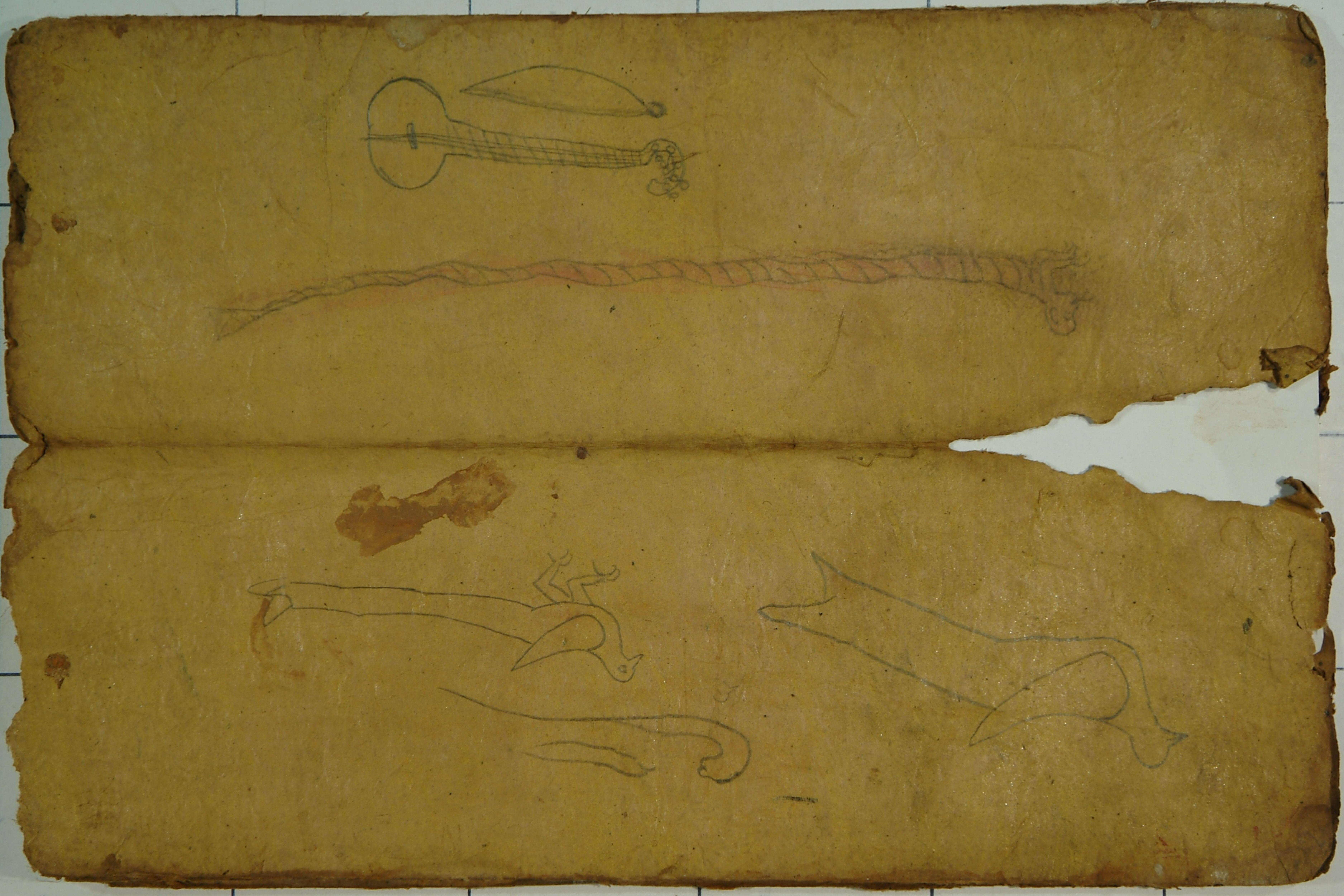
स्वस्ति श्री सर्वोपमा जोगपातादि सकल गुण गारिष सामर्थ

स्वस्ति श्री सर्वोपमा जोगपातादि सकल गुण गारिष सामर्थ

स्वास्ति श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

स्वास्ति श्री







0
15
10
5
0

